CSJMU Sponsored National Seminar
on

"INDIA'S MARITIME SECURITY STRATEGY: CHALLENGES AND OPTIONS"

22nd March, 2024

Organized by – Department of Defence & Strategic Studies
D.A-V, (P.G) College, Kanpur, U.P. – 208001

Final Report

परिचय

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा प्रायोजित एवं डीएवी कॉलेज, कानपुर द्वारा आयोजित इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय 'भारतीय समुद्री सुरक्षा रणनीतिः चुनौतियाँ और विकल्प' था। इस संगोष्ठी ने एक प्रबुद्ध मंच के रूप में काम किया, जो नवीन चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में उभरते समुद्री सुरक्षा खतरों और कमजोरियों से जुड़ी जटिलताओं को सुलझाने के लिए आयोजित किया गया था। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में राष्ट्र के सामने आने वाली समुद्री सुरक्षा चुनौतियाँ एवं विकल्प के संदर्भ में विचार–विमर्श करने के लिए सम्मानित विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और विद्वानों को एक साथ लाने का प्रयास किया गया।

उद्घाटन सत्र

इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र प्रातः 10:00 बजे प्रारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र का संचालन श्री दिवाकर पटेल द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुधीर कुमार अवस्थी, प्रति कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, ने कहा कि हमारी समुद्री सुरक्षा नीति ने कई देशों को यह बता दिया है कि हम किसी का भी हस्तक्षेप अपनी सीमा में बर्दाश्त नहीं करेंगे, और उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता प्रोफेसर हरी शरण जी, पूर्व प्रति कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर, ने कहा समुद्री सुरक्षा भारत की विदेश प्राथमिकता में शामिल होनी चाहिए। प्राचार्य प्रोफेसर अरुण कुमार दीक्षित, डीएवी कॉलेज, कानपुर, संयोजक डॉ. अमरेंद्र प्रताप गोंड और संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ. विशाल कुमार श्रीवास्तव के साथ इस सत्र का संचालन किया गया।
कार्यक्रम की शुरुआत माननीय अतिथियों द्वारा सरस्वती जी के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गई। तत्पश्चात् अतिथियों का स्वागत उद्बोधन प्रोफेसर अरुण कुमार दीक्षित द्वारा किया गया। संयोजक द्वारा इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का परिचय प्रस्तुत किया गया, मुख्य वक्ता प्रोफेसर हरी शरण जी रहे और धन्यवाद ज्ञापन रक्षा एवं स्ट्रैटेजिक अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर निरंकार प्रसाद तिवारी जी ने किया।

प्रथम तकनीकी सत्र

प्रथम तकनीकी सत्र का प्रारंभ 12:30 बजे हुआ। इस सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर हरी शरण जी द्वारा की गई। वक्ता के रूप में कमांडर सुमित घोष ने कहा ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य में हमारी समुद्री सुरक्षा के हाल ही के क्रिया कलापों और सार्थक हस्तक्षेप से हमारे देश का महत्त्व बढ़ा है, और ऑनलाइन वक्ता प्रोफेसर रामाकृष्णा प्रधान जी ने कहा कि हमारे देश की सुरक्षा नीतियाँ यह संदेश देती हैं कि हम अपनी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करने में पूर्ण सक्षम हैं। इस सत्र में 'भारत और हिंद महासागर', 'हिंद महासागर

में चीन और अमेरिका की भूमिका' पर परिचर्चा की गई। इस सत्र में कई शोधार्थियों और शिक्षकों द्वारा उक्त थीमों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

द्वितीय तकनीकी सत्र

द्वितीय तकनीकी सत्र अपराह्न 2:00 बजे महाविद्यालय के सभागार में प्रारंभ हुआ। इस सत्र की अध्यक्षता कमांडर सुमित घोष जी द्वारा की गई। वक्ता के रूप में प्रोफेसर आशुतोष कुमार सक्सेना जी ने कहा कि कई देशों के कुटिल मामलों पर हमारी हाल की सुरक्षा नीतियों ने पानी फेर दिया है, इस सत्र में 'भारत के लिए शांति स्थापना का महत्व', 'क्षेत्रीय सहयोग', 'चोरी और सशस्त्र डकैती' जैसे विषयों पर परिचर्चा की गई। इस सत्र में कई शोधार्थियों और शिक्षकों द्वारा अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इस सत्र का समापन 3:00 बजे भोजनावकाश की घोषणा के साथ किया गया।

प्रमुख निष्कर्ष

भारत की 7000 किलोमीटर से अधिक लंबी तटरेखा इसे समुद्री डकैती, आतंकवाद, तस्करी, अवैध मछली पकड़ने और पर्यावरणीय गिरावट जैसे विभिन्न खतरों के प्रति संवेदनशील बनाती है। भारत की समुद्री सुरक्षा रणनीति दो प्रमुख पहलुओं का अनुसरण करती हैः

1. साधनों में बढ़ोत्तरी तथा खतरों के प्रकार और उनकी गंभीरता।
2. भारत के राष्ट्रीय हितों के लिए समुद्रों का उपयोग सुनिश्चित करना।

भारत समुद्री सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इसने उभरते परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए ॓ ।ळ।त और प्दकपंद व्बमंद छंअंस ॓लउचवेपनउ जैसी पहलें की हैं। भारत का क्षमता निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग न केवल इसकी तटरेखा की रक्षा करता है बल्कि वैश्विक समुद्री स्थिरता में भी योगदान देता है। सुरक्षित समुद्र का दृष्टिकोण भारत को एक ऐसे भविष्य की ओर प्रेरित करता है जो प्रत्यास्थता, अनुकूलनशीलता और सहयोग को महत्त्व देता है।

इस संगोष्ठी का सफल आयोजन सभी सहभागियों, वक्ताओं, और आयोजकों की संयुक्त मेहनत का परिणाम है। मुझे विश्वास है कि इस संगोष्ठी में किए गए विचार–विमर्श और निष्कर्ष समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। सभी को धन्यवाद और शुभकामनाएँ।

CSJMU Sponsored National Seminar
on

"INDIA'S MARITIME SECURITY STRATEGY: CHALLENGES AND OPTIONS"

22nd March, 2024

Organized by – Department of Defence & Strategic Studies
D.A-V, (P.G) College, Kanpur, U.P. – 208001

Some glimpses/ media coverage of the Seminar

Inaugural Session

Address by Special guest Pro. V.C. Prof. Sudhir Kumar Awasthi

Participants of Seminar

Felicitation of Pro. V.C. Prof. Sudhir Kumar Awasthi

Chief Guest of Valedictory Session Mr. Mahesh Trivedi (MLA)

Final Report Presented by Dr. Amrendra Pratap Gond

रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग द्वारा वृहद् राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

आज का कानपुर

कानपुर । डीएवी कॉलेज में रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग द्वारा वृहद् राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि सी.एस.जे. एम यूनिवर्सिटी के प्रतिकुलपति प्रोफेसर सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि हमारी सुदृढ़ सुरक्षा नीति ने कई देशों को यह बता दिया है कि हम किसी का हस्तक्षेप अपनी सीमा में बर्दाश्त नहीं करेंगें। विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर हरिशरण कुलपति गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने कहा समुद्री सुरक्षा भारत के लिये प्राथमिकता की रणनीति होनी चाहिए। लखनऊ से आये नौसेना के कमांडर सुमित घोष ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य में हमारी समुद्री सुरक्षा के हाल ही के क्रिया कलापों और सार्थक हस्तक्षेप से हमारे देश का महत्त्व बढ़ा है। प्रोफेसर आशुतोष ने कहा कि कई देशों के कुटिल मामलों पर हमारी हाल की सुरक्षा नीतियों ने पानी फेर दिया है। अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रचार्य प्रो0 अरुण कुमार दीक्षित ने कहा कि हमारे देश की सामरिक नीतियाँ आज संपूर्ण विश्व में अपनी हनक बनाने में कामयाब हैं तथा बुद्ध पी0जी0 कालेज, कुशीनगर के प्राचार्य प्रो0 विनोद मोहन मिश्रा ने कहा कि आज तक सागरों के कुल क्षेत्र के केवल 5 प्रतिशत ही जान पाये हैं जब कि वर्तमान में देशों का अर्थिक विकास सागरों पर निर्भर करता है। बुद्ध विद्यापीठ पी0जी0 कालेज, सिद्धार्थ नगर के प्राचार्य प्रो0 अभय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे देश की सामरिक नीतियां यह संदेश देती है कि हम अपनी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करने में पूर्ण सक्षम है। समापन सत्र के मुख्य अतिथि मा0 श्री महेश त्रिवेदी विधायक, ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा श्रोत है। आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष प्रो0 निरंकार प्रसाद तिवारी ने, संचालन डॉ0 दिवाकर पटेल ने किया। इस सेमिनार के संयोजक डॉ0 अमरेन्द्र तथा आयोजन सचिव डॉ0 विशाल ने अपने विचार रखें। डॉ अनिल कुमार सिंह, प्रो0 संध्या सिंह, डॉ रमा भाटिया, डॉ अभय राज सिंह, डॉ वी0के0 दुबे आदि उपस्थित रहे।

भारत की सुरक्षा नीति काफी मजबूत

कानपुर। डीएवी कॉलेज में शुक्रवार को मिलिट्री साइंस विभाग की ओर से 'भारतीय समुद्री सुरक्षा रणनीति : चुनौतियां और विकल्प' पर सेमिनार का आयोजन हुआ। शुभारंभ छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार दीक्षित ने किया। प्रो. अवस्थी ने कहा कि भारत की सुरक्षा नीति काफी मजबूत है, जिसकी वजह से सीमा पर किसी का भी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं कर रहे हैं। गोरखपुर विश्वविद्यालय से आए प्रो. हरिशरण ने कहा कि समुद्री सीमा की सुरक्षा भारत के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए। समापन सत्र में मुख्य अतिथि विधायक महेश त्रिवेदी ने सुरक्षा नीति की जानकारी दी। प्रो. निरंकार प्रसाद तिवारी, डॉ. दिवाकर पटेल, डॉ. अमरेंद्र, डॉ. विशाल आदि रहे। (ब्यूरो)

'देश की प्राथमिकता में हो समुद्री सुरक्षा की रणनीति

डीएवी कॉलेज के रक्षा एवं स्ट्रेटजिक विभाग में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

कानपुर (एसएनबी)। गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हरिशरण ने कहा कि समुद्री सुरक्षा की रणनीति देश की प्राथमिकता में होनी चाहिये। डीएवी कॉलेज के रक्षा एवं स्ट्रेटजिक अध्ययन विभाग की सेमिनार में मुख्य अतिथि सीएसजेएमयू के प्रति कुलपति प्रो.सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि हमारी सुदृढ़ सुरक्षा नीति ने कई देशों को यह बता दिया है कि हम अपनी सीमा में किसी का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेंगे।

डीएवी महाविद्यालय में आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार में प्रदेश के कई महाविद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। यहां उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने देश की सुदृढ़ सुरक्षा नीति की सराहना करते हुए कहा कि इसने कई देशों को यह संदेश दे दिया है कि भारत अपनी सीमा में किसी का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा। वहीं विषय विशेषज्ञ गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.हरिशरण ने कहा कि समुद्री सुरक्षा की रणनीति भारत की प्राथमिकता में होनी चाहिये। नौसेना कमांडर सुमित घोष ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य में हमारी नौसेना के हाल के क्रियाकलापों ने भारत का महत्व बढ़ाया है। यहां प्रो.आशुतोष ने कहा कि कई देशों के कुटिल मामलों पर हमारी हाल की सुरक्षा नीतियों ने पानी फेर दिया है। सुरक्षा के क्षेत्र में हमारे देश ने काफी तरक्की की है। तमाम देश अब भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहे हैं। यहां महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.अरुण कुमार दीक्षित ने कहा कि देश की सामरिक नीतियां आज सम्पूर्ण विश्व पर अपना प्रभाव छोड़ने में सफल हैं। यहां बुद्ध महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.विनोद मोहन मिश्र, प्रो.अभय कुमार श्रीवास्तव, विधायक महेश त्रिवेदी, डॉ.अमरेन्द्र, डॉ.विशाल, डॉ.अनिल कुमार सिंह, प्रो.संध्या सिंह, डॉ.रमा भाटिया, डॉ.अभयराज सिंह, डॉ.वीके दुबे आदि थे।

"समुद्री सुरक्षा को लेकर भारत के लिये प्राथमिकता की रणनीति होनी चाहिए"

डीटीएएन । कानपुर

डी0 ए-वी0 कॉलेज में रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग के तत्वावधान में हुई राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि सी.एस.जे.एम. कानपुर यूनिवर्सिटी के प्रतिकुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि हमारी सुदृढ सुरक्षा नीति ने कई देशों को यह बता दिया है कि हम किसी का हस्तक्षेप अपनी सीमा में बर्दाश्त नहीं करेंगें। विषय विशेषज्ञ प्रो0 हरिशरण कुलपति गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने कहा समुद्री सुरक्षा भारत के लिये प्राथमिकता की रणनीति होनी चाहिए। लखनऊ से आये नौसेना के के कमांडर सुमित घोष ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य में हमारी समुद्री सुरक्षा के हाल ही के क्रिया कलापों और सार्थक हस्तक्षेप से हमारे देश का महत्व बढ़ा है। प्रो0 आशुतोष ने कहा कि कई देशों के कुटिल मामलों पर हमारी हाल की सुरक्षा नीतियों ने पानी फेर दिया है। अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रचार्य प्रो0 अरुण कुमार दीक्षित ने कहा कि हमारे देश की सामरिक नीतियाँ आज संपूर्ण विश्व में अपनी हनक बनाने में कामयाब हैं तथा बुद्ध पी0जी0 कालेज, कुशीनगर के प्राचार्य प्रो0 विनोद मोहन मिश्रा ने कहा कि आज तक सागरों के कुल क्षेत्र के केवल 5 प्रतिशत ही जान पाये हैं जब कि वर्तमान में देशों का अर्थिक विकास सागरों पर निर्भर करता है। बुद्ध विद्यापीठ पी0जी0 कालेज, सिद्धार्थ नगर के प्राचार्य प्रो0 अभय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे देश की सामरिक नीतियां यह संदेश देती है कि हम अपनी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करने में पूर्ण सक्षम है। समापन सत्र के मुख्य अतिथि विधायक महेश त्रिवेदी विधायक कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा श्रोत है। आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष प्रो0 निरंकार प्रसाद तिवारी ने, संचालन डॉ0 दिवाकर पटेल ने किया। इस सेमिनार के संयोजक डॉ0 अमरेन्द्र तथा आयोजन सचिव डॉ0 विशाल ने अपने विचार रखें। डॉ अनिल कुमार सिंह, प्रो0 संध्या सिंह, डॉ रमा भाटिया, डॉ अभय राज सिंह, डॉ वी0के0 दुबे आदि उपस्थित रहे।

डीटी यानि दीनार टाइम्स मे राजनैतिक कार्यक्रमों की कवरेज के लिए संपर्क करें
अंजनी निगम (समाचार संपादक)
मो0 न0: 9839034949
DT Dinar Times

Thank You